लॉरियल वाला आदमी

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

यह टुकड़ा लिखने से पहले मैंने बहुत देर तक इंतज़ार किया। इसलिए नहीं कि मेरे पास शब्दों की कमी थी, बल्कि इसलिए कि मुझे डर था कि मैं उन्हें एक ऐसे आदमी पर व्यर्थ गँवा दूँगा जो इससे कहीं अधिक का हकदार था। जॉर्जियो कोई सेल्समैन नहीं था। वह एक तरीका था, जिसने किसी इंसान का रूप धर लिया था। वह थे श्री जॉर्जियो प्रियोलो, लॉरियल के दक्षिणी इटली के वाणिज्यिक निदेशक। उन्होंने 1970 के दशक के मध्य में सेल्समैन के रूप में शुरुआत की थी, इत्र की दुकानों की दुनिया में — एक ऐसा बाज़ार जो लगभग पूरी तरह स्त्रियों से जुड़ा था, वही दुनिया जिससे लॉरियल हमेशा बात करता आया था और जिससे उसका गहरा नाता बना रहा। वही दुनिया जिसने आगे चलकर उस अब सर्वव्यापी नारे को जन्म दिया, “क्योंकि मैं इसके काबिल हूँ,” मानो यह किसी ऐसी औरत का जवाब हो जो अपनी कीमत साबित करते-करते थक चुकी थी, ख़ुद को काबिल महसूस करने की इजाज़त माँगते-माँगते थक चुकी थी। दुनिया भर की विज्ञापन एजेंसियों ने ऐसे ही विचार गढ़ने में, अपनी तमाम कथित रचनात्मकता के साथ, अरबों डॉलर कमाए हैं — जबकि असल में उन्हें बस इतना करना था कि एक सेल्समैन को क्वींस भेज देतीं, कुछ घंटे आम लोगों को सुन लेतीं, और उनकी बातों को एक डॉलर की कॉफ़ी की कीमत में दो सीधे-सादे विचारों में ढाल लेतीं। हाहाहाहाहा।

मैं उनसे एक होटल में मिला, अपने पिता के साथ एक मेज़ पर बैठा, उन्हीं शामों में से एक में, जब काम और परिवार बिना इजाज़त माँगे आपस में घुल-मिल जाते हैं। लॉरियल ने उन्हें अपने बड़े पैमाने के वितरण-कारोबार को खड़ा करने भेजा था — एक उभरता हुआ बाज़ार, जो तेज़ी से उपभोक्ताओं और उपभोग को एक जगह समेट रहा था, जबकि उसका ऐतिहासिक साम्राज्य — इत्र की दुकानें और कोरोल के काउंटर — अभी भी अछूता, मज़बूत और अजेय बना हुआ था। वे बीमारी से पहले ही रूबरू हो चुके थे। अभी जवान ही थे, पर उनके शरीर ने उनसे एक बार हिसाब चुकाने को कह दिया था। इसके बारे में वे कभी सहानुभूति बटोरने के लिए बात नहीं करते थे। जब कभी इसका ज़िक्र करते भी, तो यूँ करते जैसे कोई मौसम की बात कर रहा हो: एक तथ्य, कोई त्रासदी नहीं।

उन्होंने मुझे दो साल तक अपना साथ उधार दिया, हर महीने हफ़्ते में एक दिन, उन ग्राहकों के बीच घूमते हुए जो न उनके थे, न मेरे। पर उन सफ़रों के दौरान वे हमारे हो जाते थे। उन्होंने मुझे सिखाया कि एक जिलेट मैन जो लॉरियल को सुनना जानता है, वह बाज़ार को उससे कहीं बेहतर समझता है जो सिर्फ़ रेज़र के ब्लेड बेचता है। उन्होंने मुझसे मेरा मर्दाना आफ़्टरशेव छीन लिया और उसकी जगह एक स्त्री-इत्र थमा दिया, यह कहते हुए कि कभी-कभी मर्दों को वह पहनना चाहिए जिसे वे समझना चाहते हैं, न कि वह जो वे हैं। वे मुझे अपना नौसिखिया जादूगर कहते थे, और यह बात उन्होंने कभी मज़ाक में नहीं कही। उन्होंने यह इसलिए कहा क्योंकि उन्हें इस पर सचमुच यक़ीन था। ग्राहकों के बीच हम बस “क्या ज़बरदस्त कंपनी है” के नाम से जाने जाने लगे। यही हमारा नारा था। हम हमेशा यही दावा करते थे कि हम तो मज़े कर रहे हैं, और इसीलिए हमें तनख़्वाह मिल रही है। इस बीच, बाहर की दुनिया अलग ही थी: वे जो हमेशा शिकायत करते थे, वे जिन्होंने हमेशा शिकायत की थी, और वे जो कुछ भी नहीं करते थे और फिर भी शिकायत करते थे। दूसरी कंपनियों के सेल्समैन। नाम बताने की ज़रूरत नहीं। एक दिन मिलान से फ़ोन आया, बड़ी नम्रता से, यह कहने कि मैं उनके साथ सफ़र करना बंद कर दूँ। मेरे इलाके में जिलेट का पर्सनल केयर विभाग ढह रहा था और, न जाने कैसे, दोष मेरा ही लगता था। कुछ लोगों के मुताबिक, मैं अनजाने में ही लॉरियल बेच रहा था। बिना किसी कमीशन के। मुफ़्त में। ठीक वैसे ही जैसे आज भी करता हूँ। हम इस बात पर कई दिन तक हँसते रहे।

जिलेट ने अपना पूरा साम्राज्य एक सीधे-से वादे के इर्द-गिर्द खड़ा किया था: एक आदमी को जो सबसे बेहतरीन मिल सकता है। उस वक़्त मुझे लगता था कि यह महज़ एक विज्ञापन है। बरसों बाद मुझे एहसास हुआ कि यह तो एक ब्योरा था। क्योंकि एक दिन, एक प्रतिद्वंद्वी ने मुझे ठीक वही दिया। उसका नाम था जॉर्जियो प्रियोलो। वे बावन की उम्र में गुज़र गए। एक ऐसे आदमी के लिए यह बहुत जल्दी था, जिसके पास अब भी मुझसे मिलवाने को ग्राहक थे, सुनाने को चुटकुले थे, और मुलाकातों से भरी एक पूरी ज़िंदगी थी, जिसे उनकी सेहत कभी निभा न पाती। उनका नाम मैंने ही दिया था। मेरी बेटी का नाम जॉर्जिया है, और जब भी मैं उसे पुकारता हूँ, उन्हें भी वापस बुला लेता हूँ — एक पल के लिए, अपनी मेज़ तक। वे कोई सहकर्मी नहीं थे। वे वह आदमी थे जिन्होंने मुझे सिखाया कि एक प्रतिद्वंद्वी कंपनी, नज़दीक से देखने पर, बस एक और परिवार होती है जिससे तुम्हारी अभी मुलाकात नहीं हुई। अलविदा, जॉर्जियो। यह गाथा जितनी मेरी है, उतनी ही तुम्हारी भी।

फर्दिनांदो फ्रेगा

 © 2026 Gillettenarrative.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।